नव भारत, भोपाल
12 FEB 2014

कृषि राज्य गौरव

मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री श्री शिवराज सिंह चौहान को यह श्रेय जाता है कि उन्होंने देश की सबसे बड़ी जरूरत खाद्यान्न (भोजन) में राज्य को देश में अग्रणी बना दिया है. सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की तरह की ही सकल अनाज उत्पादन (जीएफपी) से देश में सर्वाधिक दर वृद्धि दर्ज करा दी.

राज्य को लगातार दूसरी वर्ष भी देश का सर्वोच्च कृषि कर्मण अवार्ड राष्ट्रपति श्री प्रणव मुखर्जी के हाथों प्रदान किया गया. पिछले 4 सालों में प्रदेश के सकल अनाज उत्पादन में राज्य को अत्यन्त गौरवान्वित करने वाली 100 प्रतिशत की बढ़त हुई है. देश के कुल गेहूं उत्पादन का 18.5 प्रतिशत मध्यप्रदेश की पैदावार है. गेहूं का उत्पादन 2007-08 के 67.73 लाख मीट्रिक टन से 2012-13 में बढ़कर 161.25 लाख मीट्रिक टन हो गया. देश भर में गेहूं, चावल और चना उत्पादन वृद्धि सर्वोच्च है. नये कीर्तिमान में राज्य जो इस समय देश में पंजाब से द्वितीय स्थान पर है अब वह देश में प्रथम स्थान प्राप्त करने का लक्ष्य बना चुका है.

राज्य में धान की खेती में उल्लेखनीय प्रगति हुई है. अब यहां चावल की सबसे उच्च किस्म बासमती भी होने लगी. प्रदेश की बासमती को राष्ट्रीय मान्यता मिल चुकी है. देश के बासमती निर्यात में मध्यप्रदेश का चालीस प्रतिशत हिस्सा है.

मुख्यमंत्री औद्योगीकरण पर भी केन्द्रित हो रहे हैं. उन्हें यह प्रयास करना चाहिए कि राज्य में रासायनिक खाद के कारखाने भी लगाये जायें जो हमारी जरूरत को पूरी कर सकें. प्रामाणिक बीज उत्पादन व वितरण होना सबसे ज्यादा जरूरी है. अनाज भंडारण व्यवस्था मध्यप्रदेश में बहुत ही कम है. सरकार को राज्य भर में अनाज गोदामों का नेटवर्क कायम करना चाहिए.

यह बहुत ही उत्साही उपलब्धि है कि राज्य में चम्बल के बीहड़ों का कटाव रुक गया है और उनका समतलीकरण हो रहा है. इससे राज्य में उपजाऊ जमीन का बहुत बड़ा क्षेत्र हासिल होने जा रहा है.